केतु ग्रह से संबंधित उपचार और दान आदि

केतु ग्रह को शांत, प्रसन्न और बलशाली बनाकर, केतु ग्रह के अशुभ प्रभावों को कम या न के बराबर करने और शुभ प्रभावों को बढ़ाकर और शीघ्र प्राप्त करने के लिए केतु ग्रह के लिये निम्नलिखित सरल, प्रभावशाली और पर्यावरणहितैषी उपचार और दान आदि का अपनी क्षमता और सामर्थ्यानुसार प्रयोग में लाऐं जैसे प्रत्येक माह के किसी शुभ मुहूर्त पर पीपल का पौधा, तुलसी का पौधा या कोई फलदार पौधा लगाएं। बृहस्पतिवार के दिन व्रत रखें। काले, सफेद, लाल या चितकबरी रंग की गाय पालें या उसकी सेवा करें। संत महात्माओं की सेवा या उनकी मदद करें। केतु ग्रह की वैदिक रीति से पूजा करें या करवाएं। लहसुनिया (वैदूर्य) रत्न धारण करें, वैदिक या पौराणिक मंत्र का जप करवाएं, सप्त अक्षरी बीजक मंत्र का जप करें, केतु को प्रसन्न करने के लिए भगवान शिव की पूजा और महामृत्युंजय का पाठ करें। मिश्रित रंगों की वस्तुओं का दान शनिवार के दिन करना चाहिए, जैसे पंच धान्य, सप्त धान्य, तेल और शस्त्र, लोहा या लोहे से बनी वस्तुएं, नारियल, कम्बल, मिठाई, फल और घृत आदि का दान उत्तम बताया गया है। यदि सम्भव हो सके तो लोबान, लाल चन्दन, कस्तूरी, मूत्थंरा और तिल पत्र आदि के जल से स्नान भी करना चाहिए।